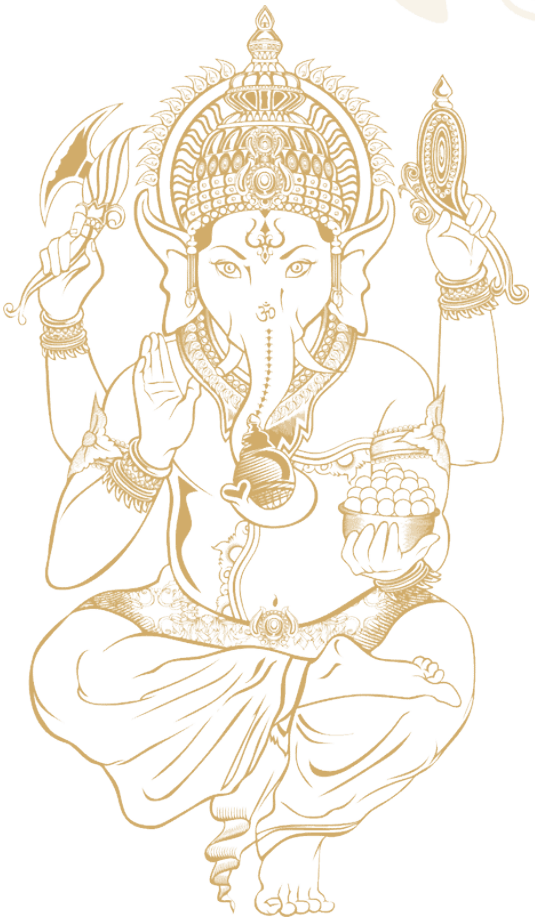

Bhanu

19 Oct 1971

11:00 AM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121155902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/10/1971**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	11:05:05 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:21:20 घंटे
वेलान्तर	00:14:53 घंटे
साम्पातिक काल	12:09:30 घंटे
सूर्योदय	06:33:58 घंटे
सूर्यास्त	18:13:29 घंटे
दिनमान	11:39:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:42:31 तुला
लग्न के अंश	00:53:32 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	विष्कुम्भ
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:53:32	326:38:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			तुला	01:42:31	00:59:37	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			तुला	00:34:57	11:52:44	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			मक	27:46:20	00:25:25	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	तुला	08:56:28	01:36:41	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	12:46:20	00:11:40	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			तुला	15:36:33	01:14:47	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		वृष	12:15:36	00:03:06	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मक	18:07:27	00:13:38	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	18:07:27	00:13:38	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कन्या	21:12:02	00:03:45	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
नेप			वृश्चि	07:59:54	00:01:54	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
प्लूटो			कन्या	07:02:22	00:02:06	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कन्या	09:07:27	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:27:59

लग्न-चलित

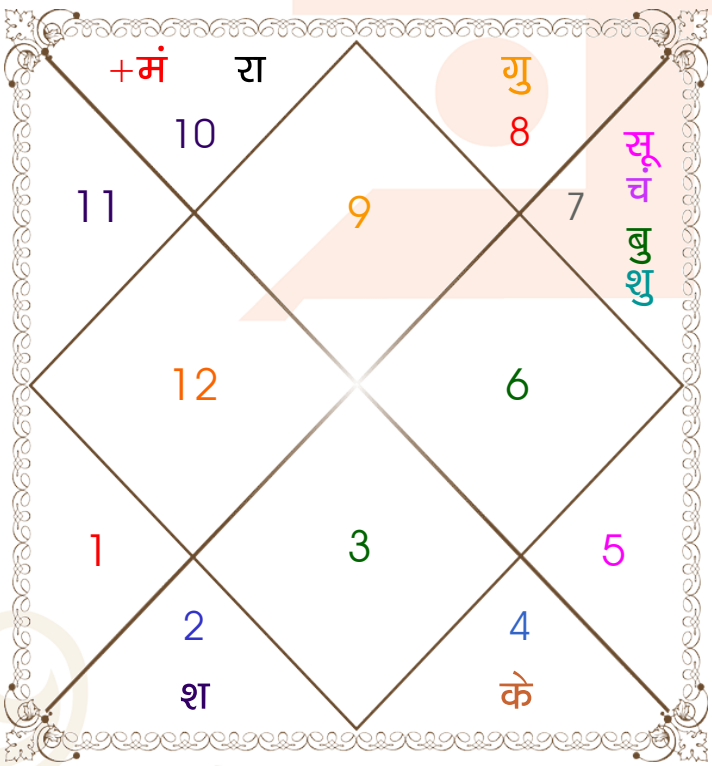

चन्द्र कुंडली

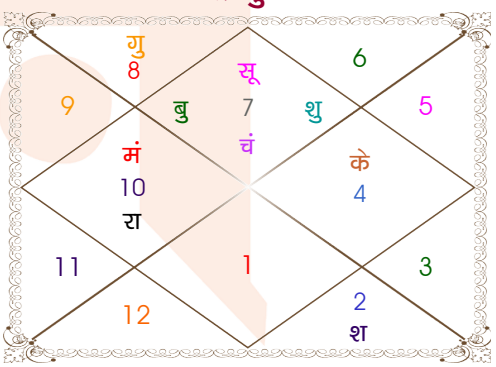

नवमांश कुंडली

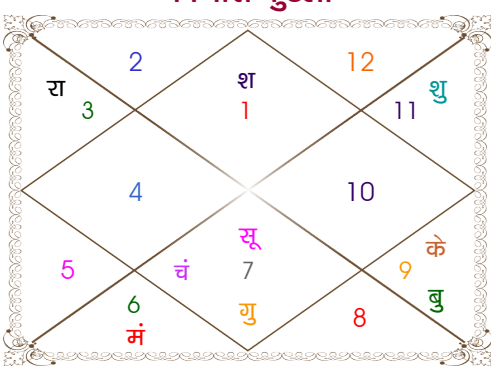

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 2 मास 10 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/10/1971		29/12/1974		28/12/1992		28/12/2008		29/12/2027	
29/12/1974		28/12/1992		28/12/2008		29/12/2027		28/12/2044	
	00/00/0000	राहु	10/09/1977	गुरु	15/02/1995	शनि	01/01/2012	बुध	27/05/2030
	00/00/0000	गुरु	03/02/1980	शनि	29/08/1997	बुध	10/09/2014	केतु	24/05/2031
	00/00/0000	शनि	10/12/1982	बुध	05/12/1999	केतु	20/10/2015	शुक्र	24/03/2034
	19/10/1971	बुध	29/06/1985	केतु	09/11/2000	शुक्र	19/12/2018	सूर्य	28/01/2035
बुध	25/06/1972	केतु	17/07/1986	शुक्र	11/07/2003	सूर्य	01/12/2019	चंद्र	28/06/2036
केतु	22/11/1972	शुक्र	17/07/1989	सूर्य	29/04/2004	चंद्र	02/07/2021	मंगल	26/06/2037
शुक्र	22/01/1974	सूर्य	11/06/1990	चंद्र	29/08/2005	मंगल	11/08/2022	राहु	13/01/2040
सूर्य	30/05/1974	चंद्र	11/12/1991	मंगल	05/08/2006	राहु	17/06/2025	गुरु	20/04/2042
चंद्र	29/12/1974	मंगल	28/12/1992	राहु	28/12/2008	गुरु	29/12/2027	शनि	28/12/2044

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/12/2044		29/12/2051		29/12/2071		28/12/2077		29/12/2087	
29/12/2051		29/12/2071		28/12/2077		29/12/2087		00/00/0000	
केतु	26/05/2045	शुक्र	29/04/2055	सूर्य	16/04/2072	चंद्र	29/10/2078	मंगल	26/05/2088
शुक्र	26/07/2046	सूर्य	29/04/2056	चंद्र	16/10/2072	मंगल	30/05/2079	राहु	14/06/2089
सूर्य	01/12/2046	चंद्र	28/12/2057	मंगल	21/02/2073	राहु	28/11/2080	गुरु	20/05/2090
चंद्र	02/07/2047	मंगल	27/02/2059	राहु	16/01/2074	गुरु	30/03/2082	शनि	29/06/2091
मंगल	28/11/2047	राहु	27/02/2062	गुरु	04/11/2074	शनि	29/10/2083	बुध	19/10/2091
राहु	16/12/2048	गुरु	28/10/2064	शनि	17/10/2075	बुध	29/03/2085		00/00/0000
गुरु	22/11/2049	शनि	29/12/2067	बुध	22/08/2076	केतु	28/10/2085		00/00/0000
शनि	01/01/2051	बुध	29/10/2070	केतु	28/12/2076	शुक्र	29/06/2087		00/00/0000
बुध	29/12/2051	केतु	29/12/2071	शुक्र	28/12/2077	सूर्य	29/12/2087		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।